

एक कहानी जो कोई नहीं लिखता

विज्ञान को केवल ज़रूरत केसमय में ही नहीं सोचना चाहिए, और न सिर्फ़ उसे, क्योंकि यह हमेशा हमारे भीतर की शैली और व्यक्तित्व का मामला बना रहता है, यह उस शिक्षा का प्रमाण है जिसे हम जानते हैं हमारे पास है।

कसककर पकड़ लीजिए क्योंकि अब आप वह पढ़ेंगे जो लिखने की हिम्मत किसी ने कभी नहीं जुटाई, यह बस चरित्र की बात है।

इतिहास का पहला इंसान एक स्त्री थी, वह अकेली सच्ची और सम्पूर्ण नींव, वह एकमात्र मंच, जिसने वह सब जन्मा जो हम हैं।

वह आदमी केआने से क्रिब तीन लाख साल पहले जी रही थी, और इससे हमें समझ आता है कि वह कितनी स्वायत्त, स्वतंत्र, चरित्र में दृढ़ थी, और सबसे बढ़कर मस्तिष्कीय, संज्ञानात्मक, बिना किसी और केसाथ अपना अंतरंग हिस्सा बाँटने की ज़रूरत के— थोड़े शब्दों में, उसे कभी सेक्स की ज़रूरत नहीं पड़ी।

पर हम यहाँमानवशास्त्र नहीं करेंगे, मेरे पास कोई अकादमिक या स्कूली प्रमाणपत्र नहीं है, बस आठ साल की स्कूली पढ़ाई और इतालवी में एक चार का नंबर, क्योंकि यह कहानी बस दो बुनियादी बातें उजागर करना चाहती है।

उत्पादन और बिक्री का जन्म, और यह सब एक स्त्री से शुरू हुआ, यह बिल्कुल निश्चित है, और शायद यह एक स्त्री के साथ ही ख़त्म भी होगा, यह बस उसका उपहार होगा, जब वह इसे देने का फैसला करेगी।

शुभ पठन।

फ़र्दिनान्दो

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com